पश्चिम बंग प्राथमिक शिक्षा परिषद और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद विनियमन, 2014 द्वारा संशोधित द्विवर्षीय डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित

हिन्दी भाषा शिक्षण

DElEd Part-1 • CPS-01

डॉ. प्रमोद कुमार यादव
(WBES)
एम ए (हिन्दी), बी एड, एम एड
यूजीसी नेट (हिन्दी और शिक्षाशास्त्र)
सहायक प्रोफेसर
पूर्व डेविड हेयर ट्रेनिंग कॉलेज
बाबा साहब अंबेडकर एजुकेशन यूनिवर्सिटी, कोलकाता

रीता बुक एजेंसी
प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता
25 बी, बेनियाटोला लेन; कोलकाता-700 009
www.ritapublication.com / www.ritapublication.in

पाठ्यक्रम (Syllabus)

पाठ इकाई – 1: विषय वस्तु : **9–घण्टा**

- प्रथम श्रेणी से अष्टम श्रेणी तक पश्चिम बंगाल में प्राथमिक शिक्षा परिषद एवं प. वं. माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों की विस्तृत जानकारी रखना।

पाठ इकाई – 2 : हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य : **10–घण्टा**

- मातृभाषा हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य, लक्ष्य व प्रयोजनीयता
- शिक्षा का माध्यम मातृ भाषा के औचित्य के सम्बन्ध में शिक्षाविदों के मत
- शिक्षा का अधिकार

पाठ इकाई – 3 : हिन्दी शिक्षण की विभिन्न पद्धतियाँ : **10–घण्टा**

- शब्दानुक्रमिक पद्धति
- वर्णानुक्रमिक पद्धति
- वाक्यानुक्रमिक पद्धति
- बालगीत पद्धति
- बाल कविता पद्धति
- अनुकरण पद्धति
- अभिनय पद्धति
- अनुबंध पद्धति
- वर्णनात्मक पद्धति
- आलोचनात्मक पद्धति
- प्रकल्प पद्धति
- पाठ्य पुस्तक के अलावा निर्भरयोग्य सूत्रों से पाठ : जैसे समाचार पत्र से वार्ता पाठ, प्रासंगिक लोकप्रिय काहानी पाठ शिशु साहित्य पाठ आदि।

पाठ इकाई – 4 : भाषा शिक्षण के विभिन्न स्तर एवं दक्षता विकास : **9–घण्टा**

- श्रवण, कथन, पठन, लेखन, हस्तलेखन, सृजनात्मक लेखन, शब्द भंडार, वर्तनी प्रणाली का विकास

पाठ इकाई – 5 : पाठ परिकल्पना एवं पाठ योजना रचना : **12–घण्टा**

- पाठ परिकल्पना – उद्देश्य, महत्व एवं प्रयोजनीयता
- सूक्ष्म एवं वृहत पाठ योजना निर्माण एवं अभ्यास
- सक्रियता आधारित कर्मपत्र रचना
- शिक्षण सहायक उपकरण–प्रकार एवं प्रस्तुतीकरण
- अल्पमूल्य एवं मूल्यहीन वस्तुओं द्वारा उपकरणों का निर्माण

पाठ इकाई – 6 : व्याकरण (कार्यगत) : **10–घण्टा**

- व्याकरण– लक्ष्य, उद्देश्य, प्रयोजनीयता
- पाठ्य पुस्तक आधारित व्याकरण शिक्षण सम्बन्धी सुविधा–असुविधा
- व्याकरण शिक्षण की विविध पद्धतियाँ
- आगमन, निगमन, सूत्रात्मक, पद्धति
- प्रथम श्रेणी से अष्टम श्रेणी आधारित कार्यगत वाकधारा, वाक्यसमूह, वाक्यों के प्रकार, समोच्चारित शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

पाठ इकाई – 7 : लेखन : **10–घण्टा**

- लेखन दक्षता के साधन
- विषयवस्तु के वाक्य समूहों की पहचान करना अनुच्छेद रचना वाक्यों की युक्ति संगत सजावट, संयुक्त वाक्य व वाक् विधि सहायता से वाक्यों का संयुक्ती करण
- लेखन के विभिन्न रूप : पत्र रचना, आवेदन पत्र, अभियोग पत्र, निमंत्रण पत्र, वार्ता, नोटिस, पोस्टर इत्यादि
- लेखन शैली
- नियोजित/निर्देशित लेखन
- निरन्तर एवं रचनात्मक लेखन

पाठ इकाई – 8 : हिन्दी भाषा शिक्षण सम्वन्धी विभिन्न प्रश्न : **7–घण्टा**

- ○ प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण, द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण
- ○ प्रथम भाषा के अन्तर्ग्रहण के मुख्य उपकरण
- ○ हिन्दी शिक्षक द्वारा छात्रों की आयु के अनुसार सापेक्षित विवेचन

पाठ इकाई – 9 : भाषा का स्वरूप : **7–घण्टा**

- ○ भाषा से क्या समझते हैं : प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा
- ○ आदान–प्रदान एवं चिन्तन के माध्यम के रूप में भाषा
- ○ भाषा शिक्षण एवं प्रशिक्षण
- ○ श्रेणी कक्ष में बौद्धिक विकास
- ○ भाषा समृद्ध श्रेणी कक्ष में हिन्दी भाषा का महत्व

पाठ इकाई – 10 : मूल्यांकन : **6–घण्टा**

- ○ सतत एवं समग्र मूल्यांकन
- ○ मौखिक एवं लिखित माध्यम से मूल्यांकन
- ○ साक्षात्कार कहानी कथन इत्यादि के माध्यम से कथन एवं श्रवण का मूल्यांकन, उच्चारित पाठ गद्य–पद्य पाठ के माध्यम से पठनबोध का मूल्यांकन
- ○ कार्य सम्पादन युक्त मूल्यांकन
- ○ आंतरिक एवं वाह्य मूल्यांकन
- ○ ब्लू प्रिन्ट
- ○ दक्षता आधारित प्रश्न पत्र तैयार करना एवं इकाई आधारित नमूना प्रश्न पत्र निर्माण

हात और कलम की अभिज्ञता अर्जन हेतु सक्रियता आधारित कार्य :

(१) प्रकल्प––दीवाल पत्रिका, तथ्य संग्रह, मातृभाषा दिवस पालन, तर्क–वितर्क–आलोचना

(२) पाठक्रम प्रयोग के माध्यम : श्रेणीकक्ष मे आपसी वार्तालाप, दलगत कार्य, दलगत आलोचना, स्वशिक्षण, तकनीकी विद्या के माध्यम से शिक्षण।

(३) मूल्यांकन––आन्तरिक ३०

(क) असाइनमेन्ट
(ख) प्रकल्प
(ग) भाषा आधारित विभिन्न कार्यक्रमों में अंशग्रहण
(घ) दीवाल पत्रिका लेखन
(ङ) स्वलेखन
(च) उपस्थिति
(छ) सभी कार्यो में अंशग्रहण किन्तु सभी कार्यी में से किन्ही तीन कार्यो कों जमा करना होगा।

प्रस्तुतिकरण–१०, तीन कार्य हेतु–१५, उपस्थिति हेतु–५

वाह्य मूल्यांकन–७० (लिखित)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–२० (२० प्रश्न)
अतिसंक्षिप्त प्रश्न–१० × २ = २० (१० प्रश्न)
संक्षिप्त प्रश्न ३ प्रश्नों में सें २, ७ × २ = १४
रचनात्मक प्रश्न २ प्रश्नों में सें १, १६ × १ = १६

विषय सूची (Contents)

पाठ इकाई-1: पाठ्य पुस्तक: एक परिचय **1-10**

1.1 प्राथमिक शिक्षा परिषद एवं पश्चिम बंगाल मध्य शिक्षा परिषद: सामान्य परिचय 1

1.2 प्रथम श्रेणी से अष्टम श्रेणी तक हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तकों की सामान्य जानकारी 2

1.3 पाठ्य पुस्तक: एक परिचय 7

1.4 भाषा शिक्षण में पाठ्य पुस्तक की उपयोगिता 7

1.5 हिंदी पाठ्य पुस्तकों की अपेक्षित विशेषताएं एवं चयन 8

पाठ इकाई-2: हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य **11-28**

2.1 मातृभाषा हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य, लक्ष्य व प्रयोजनीयता 11

2.1.1 मातृभाषा की अवधारणा 12

2.1.2 मातृभाषा के रूप में हिन्दी 12

2.1.3 हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य व लक्ष्य 13

2.1.4 आधार स्तर और प्रारंम्भिक स्तर/प्राथमिक स्तर पर (कक्षा 1 से 5 तक) हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य 13

2.1.5 उच्च प्राथमिक स्तर/मध्य स्तर पर (कक्षा 6 से 8 तक) हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य 14

2.1.6 मातृभाषा हिन्दी शिक्षण की प्रयोजनीयता 14

2.2 शिक्षा का माध्यम मातृभाषा के औचित्य के सम्बन्ध में शिक्षाविदों के मत 16

2.2.1 शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम-मातृभाषा 19

2.2.2 भारतीय शिक्षाविद के अनुसार मातृभाषा का महत्व 20

2.2.3 पाश्चात्य शिक्षाविद के अनुसार मातृभाषा का महत्व 20

2.3 छात्रों के विकास में मातृभाषा की भूमिका 21

2.4 शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की आवश्यकता 25

2.5 शिक्षा का अधिकार अधिनियम की विशेषताएँ एवं महत्व 26

पाठ इकाई-3: हिन्दी शिक्षण की विभिन्न पद्धतियाँ: **29-48**

3.1 शिक्षण पद्धति: परिचय 29

3.2 विभिन्न पद्धतियों की आवश्यकता 30

3.3 शिक्षण पद्धति की विशेषताएँ 30

3.4 शिक्षण पद्धति: महत्व एवं उद्देश्य 31

3.5 हिंदी शिक्षण की विभिन्न पद्धतियाँ 31

3.5.1 वर्णानुक्रमिक पद्धति (Alphabetic Method) 32

3.5.2 शब्दानुक्रमिक पद्धति (Word Method) 35

3.5.3 वाक्यानुक्रमिक पद्धति (Sentence Method) 37

3.5.4 बालगीत पद्धति (Rhyme/Song Method) 39

3.5.5 अभिनय पद्धति/प्रणाली— 40
3.5.6 वर्णनात्मक पद्धति (Narrative Method) 41
3.5.7 प्रकल्प पद्धति (Project Method) 42
3.5.8 अनुकरण पद्धति (Imitation Method) 44
3.5.9 आलोचनात्मक पद्धति (Criticism Method) 46
3.5.10 अनुबंध पद्धति (Correlation Method) 47
3.5.11 समूह चर्चा पद्धति (Group Discussion Method) 48

पाठ इकाई-4: भाषायी शिक्षण कौशल एवं दक्षता का विकास 49-77

4.1 भाषायी शिक्षण कैशल 49
4.1.1 भाषायी कौशल की विशेषताएँ 49
4.1.2 भाषायी कौशल के प्रकार 50
4.1.3 श्रवण कौशल 50
4.1.4 पठन कौशल 52
4.1.5 मौखिक अभिव्यक्ति कौशल 56
4.1.6 लेखन कौशल 57
4.2 सृजनात्मक लेखन 58
4.2.1 सृजनात्मक लेखन की विशेषताएँ एवं गतिविधियाँ 59
4.2.2 सृजनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने के उपाय 60
4.3 शब्द भंडार 61
4.3.1 शब्दों का वर्गीकरण 61
4.3.2 व्युत्पत्ति, रचना या बनावट के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण 62
4.3.3 प्रयोग के आधार पर 62
4.3.4 रूपान्तरण या व्याकरणिक प्रयोग के आधार पर 62
4.3.5 अर्थ के आधार पर वर्गीकरण 63
4.4 वर्तनी शिक्षण 67
4.5 वर्तनी अशुद्धि: मुख्य कारण और निवारण 75

पाठ इकाई-5: सूक्ष्म शिक्षण योजना एवं वृहद पाठ योजना निर्माण 78-180

5.1 सूक्ष्म एवं वृहद पाठ योजना निर्माण 78
5.1.1 सूक्ष्म शिक्षण की अवधारणा 79
5.1.2 सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ एवं परिभाषाएँ 79
5.1.3 सूक्ष्म शिक्षण की विशेषताएँ एवं उपयोगिता 79
5.1.4 सूक्ष्म शिक्षण के घटक एवं सोपान 80
5.1.5 सूक्ष्म शिक्षण के चक्र, सावधानियाँ एवं लाभ 82

5.2 शिक्षण कौशल 83
5.2.1 शिक्षण कौशल की परिभाषा 84
5.2.2 शिक्षण कौशल की विशेषताएँ 84
5.2.3 शिक्षण कौशलों का वर्गीकरण 85
5.2.4 मुख्य शिक्षण कौशलों का नाम 85
5.2.5 कौशल के आधार पर सूक्ष्म पाठ योजना निर्माण करना 86
5.2.6 सूक्ष्म पाठ योजना का अवलोकन पत्र/प्रतिपुष्टि/मूल्यांकन प्रारूप 94
5.3 अनुरूपण शिक्षण 110
5.3.1 अनुरूपित शिक्षण की मूलभूत धारणाएँ 110
5.3.2 अनुरूपित शिक्षण के सोपान 111
5.3.3 अनुकरण/अनुरूपण शिक्षण के लाभ 111
5.3.4 अनुरूपण शिक्षण की विशेषताएँ 112
5.3.5 अनुरूपण शिक्षण की सीमाएँ 112
5.4 पाठ योजना 112
5.4.1 पाठ योजना की परिभाषा 112
5.4.2 पाठ योजना का उद्देश्य 113
5.4.3 पाठ योजना महत्व एवं आवश्यकता: 114
5.4.4 एक उत्तम अधिगम प्रारूप के आवश्यक गुण 114
5.4.5 अधिगम प्रारूप के सोपान 116
5.4.6 अधिगम प्रारूप निर्माण सम्बन्धी विभिन्न उपागम 118
5.4.7 अधिगम प्रारूप के प्रकार 121
5.5 पाठ योजना के विभिन्न आर्दश नमूने 122
5.5.1 बाबा साहब अंबेडकर एजुकेशन यूनिवर्सिटी द्वारा जारी अधिगम प्रारूप 145
5.5.2 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (NCERT) मैसूर द्वारा जारी पाठ योजना 158
5.6 कार्य-पत्रक (वर्क शीट) 170
5.6.1 कार्य पत्रक की उपयोगिता और महत्व 170
5.6.2 प्राथमिक शिक्षा में कार्यपत्रकों के प्रकार 171
5.6.3 प्राथमिक स्तर के छात्रों को कार्यपत्रक देते समय शिक्षकों को विशेष ध्यान देने वाली बातें 171
5.6.4 कार्यपत्रक के मुख्य महत्वपूर्ण बिंदु 173
5.6.5 कार्यपत्रक शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए शैक्षिक प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाते हैं कैसे? 173
5.6.6 कार्य पत्रक के प्रारूप 174

पाठ इकाई-6: व्याकरण शिक्षण 181-216

6.1 व्याकरण: उद्देश्य, प्रक्रिया और उपयोगिता 181
6.1.1 व्याकरण शिक्षण का महत्व 182

6.1.2 व्याकरण शिक्षण की प्रक्रिया 184
6.1.3 व्याकरण शिक्षण की उपयोगिता 184
6.1.4 व्याकरण शिक्षण को रोचक एवं सरल बनाने के उपाय 185
6.2 पाठ्य पुस्तक आधारित व्याकरण शिक्षण संबंधित सुविधा व असुविधा 185
6.3 व्याकरण की विविध विधियाँ: आगमन, निगमन, सूत्र, पाठ्य-पुस्तक आदि 186
6.3.1 निगमन विधि 186
6.3.2 आगमन विधि 188
6.3.3 भाषा-संसर्ग विधि 190
6.3.4 सूत्र विधि 190
6.3.5 पाठ्य-पुस्तक विधि 190
6.3.6 सहयोग विधि 190
6.4 प्रथम श्रेणी से अष्टम श्रेणी आधारित व्याकरण: वाक्यों के प्रकार, विपरितार्थक शब्द, पर्यावाची शब्द, मुहावरे,लोकोक्तियाँ, अनेकार्थक शब्द, समोच्चारित शब्द आदि की समग्र जानकारी भाषा/व्याकरण की श्रेणीवार जानकारी (प्रथम श्रेणी से अष्टम श्रेणी) 190
6.4.1 समान अर्थ वाले शब्द/समानार्थक शब्द/पर्यायवाची शब्द 191
6.4.2 विलोम/विपरीतार्थक शब्द 191
6.4.3 वाक्य के प्रकार 195
6.4.4 अनेकार्थक शब्द 197
6.4.5 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 201
6.4.6 मुहावरा 204
6.5 संधि, समास एवं लिंग 209

पाठ इकाई-7: लेखन कौशल 217-237

7.1 लेखन दक्षता के साधन 217
7.1.1 लेखन को विकसित करने के लिए गतिविधियाँ 218
7.2 लेखन के विभिन्न रूप 219
7.2.1 आवेदन पत्र 219
7.2.2 निमंत्रण पत्र 220
7.2.3 नोटिस की अवधारणा 221
7.2.4 पोस्टर लेखन 223
7.3 लेखन शैली 224
7.3.1 बच्चों में लेखन शैली को सुधारने का उपाय 224
7.3.2 बच्चों में लेखन शैली को बढ़ावा के लिए सुझाव 225
7.4 निर्देशित लेखन/नियोजित लेखन 225
7.4.1 निर्देशित लेखन के लाभ 226

7.4.2 कक्षा में निर्देशित लेखन का अभ्यास कैसे करें 227
7.4.3 निर्देशित लेखन के चार चरण 227
7.5 रचनात्मक लेखन 228
7.5.1 रचनात्मक लेखन का क्षेत्र 229
7.5.2 रचनात्मक लेखन का स्वरूप: गद्य और पद्य 230
7.5.3 रचनात्मक लेखन लिखने के लिए कुछ बातें 231
7.5.4 रचनात्मक लेखन का उपयोग 231
7.5.5 सृजनात्मक लेखन की विशेषताएँ एवं गतिविधियाँ 232
7.5.6 सृजनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने के उपाय 233
7.6 लघु कहानी लेखन 233
7.6.1 लघु कहानी लेखन की विधियाँ 234
7.6.2 लघु कहानी लिखने के उद्देश्य 236
7.6.3 सफल लघु कहानी/कथा लिखने के सुझाव 236

पाठ इकाई-8: भाषा शिक्षण के आधार 238-260

8.1 भाषा का अर्थ और अभिप्राय 238
8.1.1 भाषा की प्रकृति 240
8.1.2 भारत में भाषा शिक्षण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 240
8.1.3 भारत में हिन्दी शिक्षण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 241
8.1.4 हिन्दी शिक्षण को प्रचारित करने वाली संस्थाएँ 241
8.1.5 हिन्दी शिक्षण की वर्तमान स्थिति 242
8.2 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति 243
8.3 मातृभाषा की अवधारणा 245
8.4 पश्चिम बंगाल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय भाषा की अवधारणा 247
8.5 पश्चिम बंगाल में माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम में भाषा की स्थिति एवं महत्व 248
8.6 भाषा और बोली का संप्रत्यय 254
8.6.1 भाषा और बोली में संबंध 255
8.6.2 भाषा और बोली में अन्तर 255
8.7 हिन्दी शिक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य 257
8.8 विभिन्न स्तर पर हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य 258

पाठ इकाई-9: भाषा का स्वरूप और शिक्षण सामाग्री 261-285

9.1 आदान-प्रदान एवं चिंतन के माध्यम के रूप में भाषा 261
9.1.1 विचार (चिंतन) का अर्थ 262
9.1.2 चिंतन की विशेषताएं 262

9.1.3 चिंतन के सोपान 262
9.1.4 भाषा के घटक 263
9.2 भाषा अधिगम एवं भाषा अर्जन 263
9.2.1 विभिन्न मनोवैज्ञानिकों के अनुसार भाषा-अधिगम 263
9.2.2 मातृभाषा/प्रथम भाषा के संदर्भ भाषा अधिगम 263
9.2.3 अन्य भाषा के संदर्भ में भाषा अधिगम 264
9.2.4 भाषा अर्जन 264
9.2.5 भाषा अर्जन की विधियाँ 264
9.2.6 भाषा अधिगम और भाषा अर्जन में अंतर 264
9.3 भाषा शिक्षण में शिक्षक की भूमिका 265
9.3.1 पहली कक्षा में हिन्दी पढ़ाते समय ध्यान रखने वाली दस खास बातें 266
9.4 शिक्षण सहायक उपकरण: प्रकार एवं प्रस्तुतीकरण 267
9.4.1 अधिगम स्रोत का अर्थ 268
9.4.2 शिक्षण अधिगम सामग्री के कार्य 270
9.4.3 शिक्षण अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्व 270
9.4.4 शिक्षण-सामग्री/स्रोत प्रयोग करते समय ध्यान देने योग्य बातें 270
9.4.5 शिक्षण सामग्री के अन्य कार्य 271
9.4.6 शिक्षण में प्रचलित सामग्री/स्रोत 271
9.5 कम लागत एवं मूल्यहीन वस्तुओं द्वारा शिक्षण सहायक उपकरण का निर्माण 272
9.5.1 मातृभाषा शिक्षण में सहायक सामग्री का महत्व 272
9.5.2 कक्षा में भाषा शिक्षण में दूरदर्शन एवं चलचित्रों का प्रयोग 273
9.5.3 प्राथमिक शिक्षा में कम लागत वाली और पुनर्प्रयोगी सामग्री का उपयोग करके शिक्षण सहायक उपकरण का निर्माण: एक सैद्धांतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण 274
9.5.4 प्रभावी शिक्षण उपकरण का निर्माण 276
9.5.5 कम लागत और मूल्यहीन वस्तुओं द्वारा बनाए गए शिक्षण सहायक उपकरणों के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका 279
9.5.6 प्राथमिक स्तर के छात्रों के लिए मूल्यहीन वस्तुओं द्वारा शिक्षण उपकरण का निर्माण 280

पाठ इकाई-10: मूल्यांकन 286-316

10.1 मूल्यांकन की अवधारणा 286
10.1.1 मूल्यांकन के उद्देश्य 287
10.1.2 मूल्यांकन का महत्व 288
10.2 सतत् एवं समग्र मूल्यांकन 288
10.2.1 समग्र एवं सतत मूल्यांकन की विशेषताएं 289
10.2.2 सतत् और समग्र मूल्यांकन के कार्य एवं महत्व 289

10.2.3 NCF 2005 के अनुसार सतत् और समग्र मूल्यांकन 289
10.2.4 सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के सिद्धान्त 290
10.3 परीक्षा: मौखिक एवं लिखित 290
10.3.1 लिखित परीक्षा 290
10.3.2 मौखिक परीक्षा 291
10.4 आंतरिक एवं वाह्य मूल्यांकन 291
10.4.1 वाह्य मूल्यांकन की अवधारणा 291
10.4.2 आन्तरिक मूल्यांकन की अवधारणा 292
10.4.3 आंतरिक मूल्यांकन की विशेषताएँ 292
10.4.4 वाह्य मूल्यांकन की विशेषताएँ 293
10.4.5 बाह्य मूल्यांकन एवं आन्तरिक मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन 293
10.4.6 आन्तरिक तथा वाह्य मूल्यांकन का सम्बन्ध 294
10.5 रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन 294
10.5.1 रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के बीच अंतर 295
10.6 पठन बोध का मूल्यांकन 295
10.6.1 गद्य एवं पद्य पाठ के माध्यम से पठनबोध का मूल्यांकन: प्रभावी तरीके 296
10.6.2 गद्य और पद्य पाठ के माध्यम से पठनबोध का मूल्यांकन करने में शिक्षक की भूमिका 296
10.6.3 उच्चरित पाठ, गद्य और पद्य पाठ के माध्यम से पठन बोध का मूल्यांकन 299
10.7 कथन और श्रवण का मूल्यांकन 300
10.8 कार्य संपादन युक्त मूल्यांकन 302
10.8.1 कार्य-सम्पादन युक्त मूल्यांकन की विशेषताएं 302
10.8.2 प्राथमिक स्तर पर कार्य-सम्पादन युक्त मूल्यांकन के उदाहरण 302
10.8.3 कार्य-सम्पादन युक्त मूल्यांकन के लाभ 302
10.8.4 शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन 302
10.9 उपलब्धि परीक्षण: ब्लूप्रिंट और प्रश्न पत्र निर्माण 303
10.9.1 उपलब्धि परीक्षण की अवधारणा एवं उद्देश्य 303
10.9.2 उपलब्धि परीक्षण के मुख्य उद्देश्य 304
10.9.3 उपलब्धि परीक्षण के प्रकार 304
10.9.4 एक उत्तम उपलब्धि परीक्षण का निर्माण 304
10.9.5 उपलब्धि परीक्षण के सोपान 304
10.9.6 ब्लूप्रिंट की अवधारणा 313
10.9.7 आदर्श प्रश्नपत्र के लिए आधारपत्र (ब्लूप्रिंट) तैयार करना 314
■ संदर्भ ग्रंथ सूची 316